© 2020 | International Journal of Scientific Research in Science and Technology
IJSRST | Volume 7 | Issue 2 | Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X
DOI : https://doi.org/10.32628/IJSRST

मिश्रित शिक्षा प्रणाली वर्तमान परिदृश्य

डॉ0 विनय कुमार सिंह
शिक्षक–शिक्षा विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर
नाजिया
टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर

मिश्रित शिक्षा प्रणाली या ब्लेंडेड शिक्षा एक औपचारिक शिक्षा कार्यक्रम है जिसमें विद्यार्थी पाठ्यक्रम का एक भाग कक्षा में पूरा करता है और दूसरा भाग डिजिटल एवं ऑनलाइन संसाधनों का प्रयोग करके सिद्ध करता है। ब्लेंडेड शिक्षा में समय, जगह, विधि तथा गति का नियंत्रण विद्यार्थी के हाथ में है। ब्लेंडेड शिक्षा में ईंट और चुने से बने विद्यालय में पढ़ाये गये पाठ के साथ कम्प्यूटर समर्थित विद्या का मिश्रण होता है।

शिक्षा आज प्रयोगों के दौर से गुजर रही है। सीखने की प्रक्रिया का जो भविष्य नजर आ रहा है, उसमें पारम्परिक क्लासरूम के पैटर्न के साथ ऑनलाइन टेक्नोलॉजी भी शामिल है, ताकि छात्रों को आंशिक रूप से नियंत्रित किया जा सके कि कब, कहाँ और कैसे सीखे। आज भारत में ऑनलाइन शिक्षा का बाजार 247 मिलियन अमरीकी डालर के बराबर है और इसके 1.96 बिलियन अमरीकी डॉलर की गति से बढ़ने का अनुमान है।

मिश्रित शिक्षा व्यावहारिक और अनुभव जनित शिक्षण की संभावना पैदा करती है, जहाँ छात्र अपनी गति से सीख सकते है– जानकारी की गति और जटिलता के मामले में भी ऑनलाइन सीखने के प्लेटफार्मो से डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से शिक्षको को एक विशेष व्यक्ति को सिखाने के लिये एक लक्षित दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है और इस तरह छात्रों को बेहतर ढंग से सीखने में मदद करने के लिये समय पर डेटा का उपयोग किया जा सकता है।

मिश्रित शिक्षण की मुख्य विशेषताएं–

(1) छात्रों के पास दो माध्यमों का विकल्प :– मिश्रित शिक्षण में छात्र या तो कक्षा शिक्षण के पारम्परिक तरीके का चयन कर सकते है। जहाँ वे शिक्षक और अपने सहपाठियों के साथ व्यक्तिगत बातचीत कर सकते है, या वे आईसीटी समर्थित शिक्षण– अधिगम का चयन कर सकते है। यह काफी हद तक लक्षित की जा रही सामग्री और उद्देश्यों की प्रकृति पर निर्भर करता है। कभी–कभी पाठ्यक्रम डिजायनर या शिक्षक स्वयं उस विषय पर निर्णय लेते है, जिससे विषय से निपटा जाता है।

यह मिश्रित सीखने की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि शिक्षक बहुत गतिशील, तकनीकी समझ रखने वाले है और पारंपरिक कक्षा प्रारूप और ITC समर्थित प्रारूप दोनों में कुशलता से काम करने के लिये पूरी तरह से प्रशिक्षित है। वे पारंपरिक तरीकों और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने में अच्छी तरह से सुसज्जित होगें।

छात्रों को आमने–सामने बातचीत करने के साथ–साथ वर्चुअल स्पेस में इंटरैक्ट करते है :–

छात्रों को समान कोर्स करने वाले अन्य छात्रों के साथ बातचीत करने का पर्याप्त समय मिलता है। वे उनके साथ कॉलेज परिसर के अंदर और वर्चुअल स्पेस में भी बातचीत कर सकते है। इस प्रकार उनका समूह बहुत बड़ा हो जाता है और इसमें बहुत विविधता होती है जिससे छात्र का ज्ञान व्यापक हो जाता है और उनमें अन्य संस्कृतियों और देशों के छात्रों के साथ समझ, प्रेम और सद्भाव की भावना भी विकसित होती है।

छात्रों को नई तकनीक का उपयोग करने में पूर्ण अनुभव प्राप्त होता है :–

वर्तमान सदी ICT की सदी है। आज अनपढ़ केवल वह नहीं जो पढ़ और लिख नहीं सकता है बल्कि एक व्यक्ति जो आधुनिक तकनीकों से अच्छी तरह से वाकिफ नहीं है वह भी

निरक्षर की श्रेणी में आता है। आज सभी व्यवसायों में ICT में विशेषज्ञता की मांग है, इसलिये मिश्रित शिक्षण छात्र के ICT अनुभव को समद्ध बनाने में मदद करता है। छात्रों ने अपने लाभ के लिये उपलब्ध तकनीकों का फायदा उठाने के लिये मिश्रित सीखने की क्षमता हासिल की।

छात्रों को विभिन्न जीवन कौशल में प्रशिक्षण मिलता है :–

जीवन कौशल, वे कौशल है जो एक सुखी शांतिपूर्ण और सफल जीवन जीने के लिये आवश्यक है। प्रमुख जीवन कौशल में समानुभूति, निर्णय लेने की क्षमता, प्यार, धैर्य, संचार, आत्म प्रबंधन, महत्वपूर्ण सोच शामिल है। मिश्रित सीखने से छात्रों को इन कौशल का अभ्यास करने में मदद मिलती है। छात्र अपने शिक्षकों, सहपाठियों और आत्म–प्रबंधन, निर्णय लेने, महत्वपूर्ण सोंच, ऑनलाइन अनुभवों के माध्यम से संचार जैसे कुछ कौशल से कक्षा में प्यार, सहानुभूति, धैर्य के साथ परिचित होते है।

व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास लक्षित है :–

मिश्रित सीखने से छात्रों को व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का पूरा अवसर मिलता है। व्यक्तित्व के सभी पहलुओं जैसे– संज्ञानात्मक, शारीरिक और भावनात्मकता को मिश्रित सीखने के माध्यम से विकसित किया जाता है जो कि पारंपरिक मोड़ या ICT दृष्टिकोण में प्राप्त करना मुश्किल होता है। परंपरा कक्षा शिक्षण, शिक्षण के स्मृति स्तर और समझ के स्तर में सहायक होता है इसलिये संज्ञानात्मक डोमेन के विकास में मदद करता है और साथ ही शिक्षक का व्यवहार, खेल के मैदान का अनुभव और सहपाठियों के साथ सामाजिक समूह का एक ही समय में आत्मीय और भौतिक डोमेन विकसित करते है।

स्कूल में शारीरिक विकास संभव हैः–

ऑनलाइन शिक्षण और ICT शिक्षण, शिक्षण प्रक्रिया का समर्थन करता है, अक्सर इस दोष के साथ लक्षित किया जाता है कि यह छात्रों के शारीरिक विकास की उपेक्षा करता है। मिश्रित सीख इस सीमा को पार कर जाती है। चूंकि इसमें स्कूल का अनुभव भी शामिल है इसलिये छात्र को कॉलेज परिसर के अंदर खेलने, शारीरिक श्रम, योग के लिये समय मिलता है।

छात्र को पाठ्यक्रम सामग्री के व्यापक प्रदर्शन और नये दृष्टिकोण मिलते है :–

विभिन्न प्रकार के अनुभव के कारण छात्रों को व्यापक प्रदर्शन मिलता है और उनकी सामग्री का ज्ञान समूह होता है, उन्हें सामग्री के विभिन्न नये आयाम और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होते है।

शिक्षक की विविध भूमिका :–

मिश्रित शिक्षण में शिक्षक एक अहम भूमिका निभा रहा है, कक्षा में एक शिक्षक की पारम्परिक भूमिका, वह एक प्रेरक के रूप में, एक संसाधन व्यक्ति के रूप में जब वह सामग्री विकसित करता है– पक्ष पर एक गाइड के रूप में, ICT के माध्यम से प्रदान की जाती है। इस प्रकार शिक्षक को नीरस पारम्परिक भूमिकाओं से मुक्ति मिलती है और वह विभिन्न क्षेत्रों में अपने बल पर कोशिश कर सकता है।

ब्लेंडेड लर्निंग की आवश्यकता :–

मिश्रित शिक्षण को लागू करना आसान काम नहीं है। इसमें शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के सभी तत्वों में कुछ मूलभूत तैयारियों की आवश्यकता होती है– शिक्षक, छात्र, सामग्री डिजायनिंग

और बुनियादी ढॉचा। एक सफल मिश्रित शिक्षण को लागू करने के लिये निम्नलिखित बुनियादी आवश्यकतायें है।

अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक–

हालांकि यह बाल केन्द्रित होते है लेकिन शिक्षक मिश्रित शिक्षण का एक महत्वपूर्ण ध्रुव है। दोनों प्रकार के दृष्टिकोणों परंपराओं और तकनीकी को मिश्रित करने के लिये शिक्षकों को मिश्रित शिक्षा और पूर्ण प्रशिक्षित और कुशल की अवधारणा से अच्छी तरह परिचित होना चाहिये। उन्हें डिजिटल रूप में सामग्री विकसित करने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिये ताकि यह छात्रों को ऑनलाइन उपलब्ध हो सके।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले शिक्षक :–

यह बहुत महत्वपूर्ण है कि शिक्षकों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण हो। उनके पास अच्छा अवलोकन कौशल होना चाहिये, उन्हें आशावादी होना चाहिये, समस्या को सुलझाने का कौशल होना चाहिये। वैज्ञानिक दृष्टिकोण शिक्षकों को इस नवीन अवधारणा पर काम करते समय मिलने वाली विफलताओं से सकारात्मक रूप से निपटने में मदद करेगा और स्थितियों का निष्पक्ष विश्लेषण करने में मदद करेगा।

सिस्टम में लचीलापनः–

सिस्टम लचीला होना चाहिये, लचीलापन, समय, सारणी, परीक्षा प्रणाली यह सब मिश्रित सीखने को लागू करने के लिये बहुत महत्वपूर्ण है। पूरी तरह से जागरूक और सहमत अभिभावक माता–पिता को शिक्षण के लिये इस अभिनव दृष्टिकोण से अच्छी तरह से अवगत कराया जाना चाहिये ताकि वे इसके लिये तैयार हो और मिश्रित शिक्षा के लिये अपने वार्ड का समर्थन करें और स्वीकार कर सके की पारंपरिक शिक्षण से यह विचलन उनके बच्चों के लिये फायदेमंद है।

मिश्रित शिक्षा के लाभ :–

(1) जैसे–जैसे सीखने का हिस्सा ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड, ICT के माध्यम से होता है, उसमें शिक्षकों और छात्रों को रचनात्मक और सहकारी अभ्यास के लिये कक्षा में अधिक समय मिल सकता है।

(2) छात्रों को सामाजिक शिक्षण तत्व और पारंपरिक शिक्षण के मानव स्पर्श को खोने के बिना ऑनलाइन सीखने और सी0ए0आई0 का लाभ मिलता है।

(3) यह संचार के लिये अधिक गुंजाइश प्रदान करता है।

(4) संचार चक्र मिश्रित सीखने में पूरा होता है जो केवल पारंपरिक दृष्टिकोण का पालन करने पर संभव नहीं है।

(5) छात्र अधिक तकनीकी प्रेमी बनते है और वे डिजिटल प्रवाह को बढ़ाते है।

(6) छात्रों ने व्यावसायिकता को और अधिक मजबूत किया है क्योंकि वे आत्म–प्रेरणा, आत्म–जिम्मेदारी, अनुशासन जैसे गुणों का विकास करते है।

संक्षेप में, मिश्रित शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य नीतियों, प्रशासकों और छात्रों को परेशान करने वाली समस्याओं को हल करना हे। जबकि कई शिक्षा विदों ने इस अनूठी शिक्षा को अपनाया है, तो हम यह उम्मीद लगा सकते है कि एक दशक के समय में मिश्रित शिक्षा एक अपवाद के बजाय आदर्श हो जाती है। इसके श्रेय के लिये, भारत सरकार ऑनलाइन शिक्षा को औपचारिक रूप दे रही है, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिये विनियामक मान्यता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है और विश्वविद्यालयों को अपना स्वयं का ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकसित करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1. Douglas, Dr. Nancy Frey. Better learning through structured teaching : A Framework for the Gradual Release of Responsibility, ASCD Publications, US.
2. मिश्रित शिक्षा प्रणाली में छिपा है भारतीय शिक्षा का भविष्य लेखक सज्जाद।
3. https://hi.talkingo tmoney.com/whatare-same common-features-of-mixed-economic system
4. Make it Blended- Blog post by tarun Goel
5. www. kenwton.com/blended learning.